Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र
स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,
बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

डा. नरेन्द्र कुमार पारीक
तकनीकी अधिकारी

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./17/ दिनांक 12.05.2017

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह
अवधि 13 मई 2017 से 17 मई 2017 तक

मौसमपूर्वानुमानः भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		13.05.17	14.05.17	15.05.17	16.05.17	17.05.17
1.	वर्षा	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	आंशिक बादल	आंशिक बादल	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश	स्वच्छ आकाश
3.	तपमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**43**	**44**	**42**	**43**	**43**
	न्यूनतम	**28**	**28**	**28**	**28**	**28**
4.	वायुदिशा	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी	दक्षिणी पश्चिमी	पश्चिमी दक्षिणी पश्चिमी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**42**	**43**	**40**	**38**	**39**
	न्यूनतम	**14**	**10**	**14**	**12**	**13**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**17**	**17**	**22**	**26**	**18**
7	कुलवर्षा	**00.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान के सामान्य से कम रहने, वायु की औसत गति मध्यम रहने, हल्के बादल छाए रहने, आपेक्षिक आर्द्रता मध्यम रहने, वायु की गति कम से मध्यम रहने और वर्षा नहीं होने की संभावना है।**
- तापमान में वृद्धि और आर्द्रता में कमी पौधो की जल मांग बढ़ा देती है। अतः सब्जि व चारा वाली फसलों और फलदार वृक्षों में म्लानि के लक्षण प्रकट होते ही सिंचाई की व्यवस्था करें।
- बेर में कटाई - छंटाई के लिए अप्रैल के अंतिम सप्ताह से मई के तीसरे सप्ताह तक का समय उपयुक्त है। इसमे देरी नहीं करे , अन्यथा बेर के पौधे खराब हो जाएंगे और उपज कम प्राप्त होगी।
- ग्रीष्मकालीन कुष्माण्ड कुल की सब्जियों तथा तरबूज व खरबूज के फलों की तुडाई फलों के पकने पर ही करें । फल के पास के डण्ठल का सूखना, बजाने पर डल आवाज आना, फल के रंग में परिवर्तन होना फलों के पकने का संकेत है । पानी देने के तुरन्त बाद (12–24 घन्टे) तक फल न तोड़े । कच्चे फल न तोडे क्योकि कच्चे फल तोड़ने के बाद में पकते नहीं है ।
- फसल उत्पाद को सूरज की धूप से खलिहान में बीज में नमी की मात्रा 10% से कम होने तक सुखाने के बाद धूप में अच्छी तरह सुखी हुई साफ बोरियों या ड्रमों में भंडारित करें।
- नरमा कपास की बुवाई का उचित समय है। इसकी बुवाई के लिए 65-70 से. मी. कतारों और 20-25 से. मी. पौधों के बीच की दूरी रखते हुये 16 किलो प्रति हेक्टर की बीज दर से बीजाई करे। बुवाई के समय 50 किलो नत्रजन और 40 किलो फास्फोरस प्रति हेक्टर की बीज दर से उपयोग करे।
- कृषि उत्पाद के भंडारण से पहले भंडार गृह या गोदाम को अच्छी तरह साफ करें और सुखाएँ तथा चूहों व कीड़ों के प्रवेश द्वारों को सीमेंट या गोबर से लीप कर बंद करे। भंडार गृह को निस्संक्रामक करने के लिए कृषि उत्पाद के भंडारण से पहले मालाथिओन का % 0.5की दर से छिड़काव करें।
- जलवायु की विपरीत परिस्थितियों के कारण नींबू वर्गीय फलों में फल छड़ने की समस्या से बचाव के लिए प्लानोफिक्स नामक रसायन का 2 मिली /ली का छिडकाव करे।
- आंवला का अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए 0.4% बोरेक्स तथा 0.4% $CaCO_3$ का 15 दिन के अंतराल पर छिड़काव करे और सिंचाई की उचित व्यवस्था रखे।